# Dr.Uttam Kumar

S.R.A.P College,Barachakia
Mob.No.8210561032

## Session -2023-27

## Faculty - Commerce

## Class-Second Semester

## Subject -Business Organisation

(5) सी. एफ. अबोट के अनुसार, "बिना लाभ के व्यवसाय, व्यवसाय नहीं है, ठीक उसी प्रकार से जैसे बिना श्ला के मुरब्बा।"[1]

[समालोचना—यह परिभाषा व्यवसाय के क्षेत्र को केवल लाभ कमाने तक ही सीमित करती है। अत: यह अधूरी ए अपर्याप्त है।]

**(II) विस्तृत अर्थ वाली परिभाषाएँ**

(1) **एफ. सी. हूपर** के अनुसार, "व्यवसाय से आशय वाणिज्य एवं उद्योग के सम्पूर्ण जटिल क्षेत्र, आधारभूत उद्यो प्राविधिक एवं निर्माणी उद्योगों तथा सहायक सेवाओं के वृहत् जाल, वितरण, बैंकिंग, बीमा, यातायात आदि से है, जो स व्यावसायिक जगत की सहायता करते है तथा उसमें अन्तर्व्याप्त है।"[2]

[**समालोचना**—प्रस्तुत परिभाषा केवल एक वर्णनात्मक परिभाषा ही है, जिसमें व्यवसाय की विभिन्न क्रियाओं का स करने का प्रयत्न किया गया है। इस दृष्टि से यह परिभाषा के व्यवसाय क्षेत्र पर प्रकाश डालती है, किन्तु आधुनिक यह परिभाषा अपूर्ण है।]

(2) **हार्ट** के अनुसार, "व्यवसाय का अर्थ सामाजिक रूप से गठित उस विनिमय प्रणाली से है जो वस्तुओं एवं का उत्पादन एवं वितरण करती है।"[3]

[**समालोचना**—यह परिभाषा व्यवसाय को सामाजिक रूप से गठित विनिमय प्रणाली मानती है। इस विनिम का कार्य वस्तुओं का उत्पादन एवं वितरण करना है। इस प्रकार यह परिभाषा भी व्यवसाय के प्राचीन उद्देश्यों पर है। आधुनिक विचारधारा में व्यवसाय को उपर्युक्त कार्यों के अतिरिक्त अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को निभाने के अन्य कार्य भी करने पड़ते हैं। इस प्रकार आधुनिक दृष्टि से यह परिभाषा अपूर्ण है।]

(3) **डेविस** तथा **ब्लोमस्ट्रोम** के अनुसार, "व्यवसाय शब्द निजी और सार्वजनिक दोनों ही संस्थाओं को सम्ब है जो कि समाज के आर्थिक मूल्यों का विकास एवं प्राविधिकरण करती है।"[4]

[**समालोचना**—यह परिभाषा व्यवसाय की एक विस्तृत परिभाषा है। यह निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों की संस्थाओं को व्यवसाय के अन्तर्गत सम्मिलित करती है। इस परिभाषा से यद्यपि यह स्पष्ट नहीं होता कि व्यवसाय है। किन्तु इसकी गहनता से अध्ययन करने पर यह अवश्य ही स्पष्ट हो जाता है कि इस परिभाषा में व्यवस बहुत ही व्यापक बनाने का प्रयास किया गया है।]

(4) **जेम्स स्टीफेंसन** के अनुसार, "लाभोपार्जन की दृष्टि से किये जाने वाले मानवीय कार्य को ही व्यव

[**समालोचना**—व्यवसाय की यह परिभाषा भी अत्यधिक व्यापक है। इसके अनुसार प्रत्येक प्रकार की जिसका उद्देश्य लाभोपार्जन करना हो, व्यवसाय कहलाती है। इसके अन्दर पेशा भी आता है। यही नहीं, आधार पर तस्करी, चोरी, डकैती आदि कार्य को भी व्यवसाय कहना होगा, क्योंकि वे भी लाभोपार्जन मानवीय कार्य हैं; किन्तु वास्तव में ऐसा है नहीं।]

**(III) आधुनिक परिभाषाएँ**

(1) **उर्विक** के अनुसार, "व्यवसाय एक ऐसा उपक्रम है जो समुदाय के सदस्यों की आवश्यकता एवं सेवाओं को बनाता है, वितरित करता है अथवा उपलब्ध करता है।"[5]

[**समालोचना**—यदि देखा जाए तो उर्विक द्वारा दी गई परिभाषा एक संक्षिप्त किन्तु सारगर्भित इसमें समाज के लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन, वितरण पर बल दिया गया है। यह परिभाषा व्यवसाय के सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से भी परिपूर्ण है। दिखाई देती है कि आधुनिक व्यवसाय केवल पुरानी आवश्यकताओं की ही पूर्ति नहीं करता अपित वस्तुओं का उत्पादन करके नवीन आवश्यकताओं का सृजन भी करता है।]

---

1 "Business without profit is not business any more than a pickle is candy."

2 "It means the whole complex field of commerce and industry, the basic industries, processing an and the net work of ancilliary services, distribution, banking, insurance, transport and so on, whic the world of business and a whole. "

3 "Business is the production of goods and services coupled with the distribution of those goods an organised system of exchange."

4 "The term business refers to both private and public institutions, which develop and process ec

5 "Business is an enterprise which makes, distributes or provides any article or service which oth need."